(ख) बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा 1990-91, 1991-92 और 1992-93(वित्तीय वर्ष आधार पर) के दौरान केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी० आई० एस० एफ०) की तैनाती पर निम्नलिखित खर्च किया गया :—

वर्ष	सी० आई० एस० एफ० पर हुआ व्यय (लाख रु०)
1990-91 . .	775.27
1991-92 . .	720.00
1992-93 . .	894.41

(ग) चुराई गई सम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि का रुख प्रदर्शित नहीं होता । सुरक्षा बलों पर व्यय में वृद्धि मुख्य रूप से निम्नलिखित कारणों से हुई है :—

(i) भत्तों में वृद्धि

(ii) वार्षिक वेतन वृद्धि

(iii) वार्षिक बोनस,

(iv) हथियारों और गोला बारूद पर व्यय

(v) अन्तरिम राहत ।

इस्पात की उत्पादन लागत

4156. **श्री ई० बालानन्दन** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जनवरी, 1994 की स्थिति के अनुसार भारत में और इस्पात के अन्य मुख्य उत्पादक देशों, जैसे अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, जापान और जर्मनी में विक्रेय इस्पात उत्पादित करने वाले विभिन्न कारकों का प्रतिशत कितना है;

(ख) क्या स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड के विभिन्न एककों में ऊर्जा खपत, कोयला-दर और इस्पात की समग्र उत्पादन लागत में मुख्य इस्पात उत्पादक देशों की अपेक्षा अधिक भिन्नता है;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गये हैं;

(घ) क्या भारतीय इस्पात अन्तर्राष्ट्रीय इस्पात बाजार में बिना किसी संरक्षण के प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और देश में विभिन्न इस्पात वस्तुओं का उत्पादन करने में क्षमता और असमर्थता का ब्यौरा क्या है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) से (ग) इस्पात की उत्पादन लागत विभिन्न सहायक घटकों जैसे उत्पादन की मात्रा, उत्पाद-मिश्र, निधियन लागत, अपनाई गई प्रौद्योगिकी और सरकारी लेवियों पर निर्भर करती है । ये सभी घटक भिन्न-भिन्न देश में भिन्न-भिन्न और एक ही देश में भी भिन्न-भिन्न निर्माताओं में काफी भिन्न-भिन्न होते हैं । अतः विभिन्न इस्पात उत्पादक देशों की उत्पादन लागत की ठीक-ठीक तुलना करना सम्भव नहीं है ।

(घ) और (ङ) भारतीय निर्माताओं द्वारा इस्पात का निर्यात अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर किया जा रहा है । भारत से इस्पात के निर्यात में हाल के वर्षों में पर्याप्त वृद्धि हुई है । वर्ष 1993-94 में 16.1 लाख टन (अनन्तिम) इस्पात का निर्यात किया गया जबकि 1991-92 में 3.87 लाख टन इस्पात का निर्यात किया गया था । निर्यात में मुख्य रूप से प्लेटें, तार छड़ें, संरचनात्मक, सेमीज आदि जैसी मदें शामिल हैं ।

संसद् सदस्यों का इस्पात मंत्रालय से पत्राचार

4157. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मोम अफजल** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 अप्रैल 1990 से 31 मार्च, 1993 की अवधि के दौरान सांसदों द्वारा मंत्रालय को कितने पत्र लिखे गये और उनका वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उनमें से कितने पत्रों की पावती भेजी गई;

(ग) कितने पत्रों के अन्तिम उत्तर भेजे गये; और

(घ) मंत्रालय द्वारा क्रमशः सकारात्मक और नकारात्मक उत्तर वाले भेजे गये अन्तिम पत्रों के पृथक्-पृथक् आंकड़े क्या हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी ।

Dumping of Steel Materials

4158. SHRI IQBAL SINGH : Will the Minister of STEEL be pleased to state what steps Government intends to take to ensure that there is no dumping of steel materials in the Indian Markets ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV) : Imports of steel have not shown any increasing trend so far. Steel imports during 1993-94 are estimated to have declined by about 8% as compared to the previous year 1992-93.

Under the provisions of sections 9A & 9B of the Customs Tariff Act, 1975 Government has been authorised to take measures against dumping of materials in Indian markets and aslo levy anti-dumping duties if such imports cause material injury to any domestic industry in India.

Export of Steel

4159. SHRI IQBAL SINGH : Will the Minister of STEEL be pleased to state :

(a) what steps Government is taking to give a fillip to the export of steel ;

(b) whether it is generally being felt that Government levies like excise, sales tax, octroi, steel development fund, cess, engineering goods export fund etc. are making the Indian steel uncompetitive in the international market ; and

(c) whether it is desirable that the relief on above levies is very essential to boost up exports to earn much needed foreign exchange ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV) : (a) Export of all items of iron and steel is now freely allowed. Liberalisation of trade policy provisions. including the provisions for duty free import of raw materials for export, convertibility of the rupee on trade and current account, etc. have helped to achieve a quantum jump in export of pig iron and steel, from 3.87 lakh tonnes valued at Rs. 283 crores in 1991-92 to 22.28 lakh tonnes valued at Rs. 1688 crores in 1993-94 (provisional).

(b) and (c) Levies and taxes such as the excise duty, sales tax, engineering goods export assistance fund levy. etc. are not payable on exports of steel if prescribed procedures are followed.

Production of Steel by Rourkela Steel Plant

4160. DR. SANJAYA SINH : Will the Minister of STEEL be pleased to state :

(a) whether Rourkela Steel Plant is the largest producer of special grade steel in the country;

(b) if so, the details thereof during the last three years;

(c) whether modernisation of Rourkela Steel Plant has led to a quantum jump in its special grade steel production; and

(d) if so, the details of expenditure incurred on the modernisation and the details of increase production in this plant during the last two years?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV) : (a) Rourkela Steel Plant (RSP) is one of the largest producers of special grade steel in the country.

(b) The plant produces the following special grade steel :

(i) Plates Ship Building Quality Boiler Quality, DIN 52.3, IS 961, IS 2062, Wheels, etc.

(ii) HR COILS Ship Building Quality, Boiler Quality stainless steel, MC, DD, EDD, etc. Thinner Gauges 2.5 mm and below.

(iii) CR Products D/DD/EDD Tinner gauges below 0.63 mm and below 0.5 mm and below.

(iv) GP/GC sheets.

(v) Electrolytic tin plates.

(vi) HR and CR dynamo sheets.

(vii) CRNO/CRGO steel for electrical industries.

(viii) Electrical Resistance welded pipes; API and commercial grades.

(ix) Spiral welded pipes; API and commercial grades.

The percentage of special grade steel in total saleable steel for last four years has been as follows :

Year	Total saleable steel production ('000T)	Percentage of special grade steel on total saleable steel
1990-91	1087	39%
1991-92	1125	37%
1992-93	1179	41%
1993-94	1130	38%

(c) The modernisation of Rourkela Steel Plant is under implementation. The increase in special steel production envisaged after scheduled completion of modernisation project in December, 1995, is expected to be around 50%.

(d) The expenditure incurred in RSP modernisation project in the last two years i.e. 1992-93 and 1993-94 is Rs. 350.88 crores and Rs. 438.72 crores (provisional) respeciavely. RSP has been maintaining an increased trend in production of saleable steel as indicated in reply to part (b) of the answer barring the year 1993-94 when its production was affected due to flooding caused by unprecedented heavy rains in August, 1993.

Transfer of shares to employees by SAIL

4161. SYED SEBTEY RAZI : Will the Minister of STEEL be pleased to state :

(a) whether the Steel Authority of India Limited propose to transfer the Company's shares to its employees at a premium;

(b) if so, the details thereof with background for such a move;

(c) whether transfer of shares to all employees of SAIL will be on equitable basis;